रामेश्वरदास पन्नालाल महिला कॉलेज

(पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की एक अंगीभूत इकाई)

AISHE-C-12846

NAAC Accredited

प्रो० (डॉ०) पूनम

प्राचार्या

रामेश्वरदास पन्नालाल महिला कॉलेज

चौकशिकारपुर, पटना सिटी

चौक शिकारपुर, पटना सिटी, पटना-800009

Email : info@rmpcollegepatna.ac.in

Website : www.rpmcollegepatna.ac.in

Phone No. : 0612-2641451

प्रो० (डॉ०) उपेन्द्र प्रसाद सिंह

कुलपति

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना

COLLEGE NEWS BULLETIN

वर्ष : 2026 | अंक : 11 | अप्रैल-जून, 2026 | मूल्य : नि:शुल्क

VISION

The long term vision of our college is encapsulated in the following statement-

1. To be center of excellence in higher education with an innovative teaching, learning research activities to cater to the academic needs of the students by providing qualitative education making themself sufficient in life.
2. To provide modern education to promote academic excellence with an ethical dimension and inculcate values in the young girl students, enhancing their quality of life.
3. Our main moto is to educate enable and empower young women for promoting gender equality, social justice and enhancing their quality of life and transforming them into responsible citizen with a commitment towards serving humanity.

MISSION

1. To impart holistic quality education to girl students of unprivileged cross section of society, and empower them with knowledge, skill and competence and make them self-reliant and socially committed citizens of the country.
2. To create a learning ambience in the College, where research and scholarship flourishes.
3. To provide updated knowledge and skill to the girl students to enable them compete in this highly competitive globalized world.
4. To develop overall personality of the girl students to enable them face the fast changing times with dynamism and confidence.
5. To promote art and culture in the College by regularly organizing such events in the campus and by inviting famous experts to inspire the students.
6. To campaign against environmental pollution and to provide best possible protection to all the College members from all kinds of pollution in the campus.
7. The best possible ancient and modern tools and technique of teaching learning should be used to provide updated knowledge and skills, in the globalised world to the girl student of this college who comes from far flung and remote areas.
8. To enable the students to explore the locally available economic resources for their employment and providing support to the society.

NIRF एवं AICTE प्रक्रिया में महाविद्यालय का आगाज

दिनांक 10.04.2026 को महाविद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में एक नई उपलब्धि हासिल की है। महाविद्यालय ने पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर NIRF (National Institution Ranking Frame work) रैंकिंग प्रक्रिया में भाग लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। इसके साथ ही कॉलेज को सत्र 2026–2027 के लिए AICTE से BBA एवं BCA पाठ्यक्रमों के संचालन की स्वीकृति भी प्राप्त हुई है। प्राचार्या ने इस अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि छात्राओं को आधुनिक, गुणवता पूर्ण एवं रोजगारोमुख शिक्षा प्रदान करना है। महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं आधारभूत संरचना को और सुदृढ़ बनाना तथा छात्राओं के उज्जवल भविष्य को सुनिश्चित करना है। महाविद्यालय की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर पूरे महाविद्यालय परिवार में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण है।

महाविद्यालय की विशेषताएँ

- व्यवसायिक कोर्स BBA, BCA, BLIS एवं MLIS की पढ़ाई
- NSS & NCC Unit NIRF में पंजीकृत
- नियमित वर्ग संचालन
- स्मार्टबोर्ड युक्त कक्षाएँ
- प्रबुद्ध शिक्षकगण
- एकेडमिक कलैन्डर
- ऑनलाइन नामांकन
- ऑनलाइन परीक्षा संबंधी कार्य
- ओटोमेटेड लाइब्रेरी • E-Book
- E-Library
- आधुनिक सुसज्जित विज्ञान प्रायोगशाला
- ड्रेस कोड
- सोलर ऊर्जा
- रेनवाटर हारवेस्टिग प्लांट
- E-वेस्ट मेनेजमेंट
- अनुशासित कार्यालय संपादन
- डाइनेमिक वेबसाइट
- नियमित खेलकूद सक्रियता
- नियमित शैक्षणिक कार्यक्रमों का संचालन
- रैम्प की सुविधा
- पूछताछ काउन्टर
- नियमित कैरियर काउन्सिलिंग
- न्यूज बुलेटिन का नियमित प्रकाशन
- Wi-fi कैम्पस
- सी.सी.टी.वी कैमरा
- पीयर टिचिंग सेल
- हेल्थ सेन्टर
- कैंटीन
- ग्रीन आर्मी
- नि:शुल्क कम्प्यूटर ट्रेनिंग
- नि:शुल्क योगा ट्रेनिंग
- नि:शुल्क हेल्थ चेक-अप
- नि:शुल्क जूडो/कराटे ट्रेनिंग
- नि:शुल्क आपदा प्रबंधन ट्रेनिंग
- नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी का स्टडी सेंटर
- छात्र दरबार
- हर्बल गार्डेन
- एंटी रैगिंग सेल

रामेश्वरदास पन्नालाल महिला महाविद्यालय
पटना सिटी
तमसो मा ज्योतिर्गमय

संरक्षक
प्रो० (डॉ०) पूनम
प्राचार्या

संपादक
प्रो० रजिया नसरीन
अध्यक्ष, गृह विज्ञान विभाग

सह संपादक
प्रो० अंजु जैन
अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग

संपादक मंडल
डॉ० प्रीति कुमारी
असि० प्रो०, प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग

डॉ० पूनम कुमारी
असि० प्रो० (गणित विभाग)

डॉ० प्रतिष्ठा गुप्ता
अध्यक्ष (पर्यावरण विज्ञान विभाग)

डॉ० लक्ष्मी कुमारी
असि० प्रो० (अंग्रेजी विभाग)

प्राचार्या की कलम से.....

देश के विकास में आधी आबादी यानी महिलाओं की अहम भूमिका रही है। महिलाओं को शक्तिशाली बनाने में, शिक्षा का महत्त्वपूर्ण योगदान है। रामेश्वरदास पन्नालाल महिला कॉलेज नारी शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभाता रहा है। पूर्वी पटना का यह एक महत्त्वपूर्ण महिला कॉलेज है जहाँ बख्तियारपुर तक से छात्रा पढ़ने आती है। यह महाविद्यालय पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय का एक अंगीभूत इकाई है तथा पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय में अपना एक अहम स्थान रखता है। महाविद्यालय अपनी स्थापना के उपरांत लगातार विकास के पथ पर अग्रसर है तथा अपनी परिधि को बढ़ाता जा रहा है, जिनके लिए पारंपरिक पाठ्यक्रमों के अलावे अनेक व्यावसायिक एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम महाविद्यालय द्वारा संचालित किये जा रहे हैं।

महाविद्यालय 18 विषयों में स्नातक से स्नातकोत्तर स्तर तक कला एवं विज्ञान के अध्ययन अध्यापन का मंच प्रदान करता है। यहाँ BBA, BCA, BLIS एवं MLIS व्यावसायिक कोर्स की पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध है। नालन्दा ओपन विश्वविद्यालय का अध्ययन केन्द्र भी महाविद्यालय में है जिससे पूर्वी पटना के छात्र-छात्राओं को लगभग 100 विषयों में Distance Education mode में अध्ययन करने की सुविधा मिल रही है। वर्तमान समय में महाविद्यालय में 28 शिक्षक/शिक्षिकाएँ एवं 20 स्थायी एवं आउटसोर्सिंग शिक्षिकेतर कर्मचारीगण कार्यरत है।

11 सितम्बर 2023 को दूसरी बार रामेश्वरदास पन्नालाल महिला कॉलेज में प्राचार्या के रूप में मैंने यहाँ का कार्यभार ग्रहण किया। महाविद्यालय में योगदान के उपरांत महाविद्यालय का तेजी से विकास करने का मैंने दृढ़ संकल्प लिया और इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया।

तेजी से विकास के लिए समुचित सिस्टम को विकसित करने बुनियादी सुविधाओं को अविलंब बहाल करने, शैक्षणिक वातावरण को मजबूत करने एवं अनुशासन इत्यादि पर सर्वाधिक बल दिया परिणामस्वरूप महाविद्यालय के न सिर्फ भौतिक स्वरूप में बदलाव आने लगा बल्कि लगातार विभिन्न शैक्षणिक एवं अन्य कार्यक्रमों के सफल संचालन एवं आयोजन के कारण छात्राओं एवं शिक्षकों का उत्साहवर्धन हुआ एवं महाविद्यालय न सिर्फ पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों में बल्कि पूरे राज्य में अपना एक विशिष्ट स्थान बनाता जा रहा है। मुझे यह लिखते हुए खुशी एवं गर्व महसूस हो रहा कि कठिन मेहनत एवं सतत प्रयास से दिसम्बर 2024 में महाविद्यालय का नैक से प्रत्यायन भी हो गया है। जिसमें सीमित साधनों एवं बहुत कम शिक्षक रहते हुए महाविद्यालय ने नैक से प्राप्त किया। महाविद्यालय को विकास के स्वर्णिम ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए मैं संकल्पित हूँ। महाविद्यालय में साधन सीमित है, ढेरों बाधाएँ है लेकिन आगे बढ़ते जाना ही ध्येय है, क्योंकि **'मंजिलें उन्हें मिलीं जिनके सपनों में जान है, पंखों से कुछ नहीं होता हौसलों से उड़ान है।'**

प्रो० (डॉ०) पूनम
प्राचार्या

महाविद्यालय के पदाधिकारीगण

Prof. Razia Nasrin
IQAC Co-ordinator

Prof. Anju Jain
Bursar

Prof. Sushma
Proctor

Dr. Preeti Kumari
NSS Program Officer

Dr. Pawan kumar
Admission In-charge

Dr. Merajuddin
Controller of Examination

Dr Punam Kumari
Sports in Charge
&
ANO (NCC)

Dr. Prakash Das
Co-ordinator Job Placement Cell

Academic & Co-Curricular Activities in Our College

Date	Programme	Organizing Department
07.04.2026	निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर	NSS & Health Centre
10.04.2026	AICTE में सत्र 2026–2027 को मान्यता एवं NIRF अनुमोदन	IQAC
13.04.2026	डॉ० भीमराव आम्बेडकर जयंती एवं एक दिवसीय संगोष्ठी (नैतिकता एवं संवैधानिक न्याय की पृष्ठभूमि में डॉ० भीमराव अम्बेडकर की प्रासंगिकता)	IQAC & SC ST CELL
15.04.2026	बच्चों के बीच पाठ्य सामाग्री वितरित	NSS
16.04.2026	नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर संगोष्ठी	Political Science Dept.
17.04.2026	नारी–शक्ति का विकसित भारत रन–फन	NSS
24.04.2026	तम्बाकू मुक्त वातावरण पर जागरूकता अभियान	NSS
28.04.2026	परीक्षा कक्ष का उद्घाटन	
29.04.2026	वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ONOS) योजना का आयोजन	Job Placement Cell
06.05.2026	"SAFAR" मिशन के अन्तर्गत सड़क सुरक्षा सह अस्तपाल पूर्व प्रशिक्षण	NSS & Red Cross Society
08.05.2026	प्रेस – वार्ता	
09.05.2026	ई–वेस्ट प्रबंधन हेतु MEW से समझौता (MOU) एवं ई कचरा का निष्पादन	Eco Club
01.06.2026	वालेंटियरशिप उन्मुखीकरण कार्यक्रम	IQAC
05.06.2026	विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण सरंक्षण	NSS
20.06.2026	योग दिवस के पूर्व संध्या पर विविध कार्यक्रम	NSS / NCC

निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर

दिनांक 07.04.2026 को महाविद्यालय में विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं हेल्थ सेन्टर के सौजन्य से निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता IQAC को–ऑडिनेटर प्रो० (डॉ०) रजिया नसरीन के द्वारा की गयी। कार्यक्रम में चिकित्सकों द्वारा छात्राओं को नियमित चेकअप संतुलित आहार एवं पर्याप्त नींद लेने की एवं स्वस्थ्य जीवन शैली अपनाने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन NSS कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ० प्रीति कुमारी के द्वारा किया गया।

डॉ० भीमराव आम्बेडकर जयंती पर एक दिवसीय संगोष्ठी

दिनांक 13.04.2026 को महाविद्यालय में भारत रत्न डॉ० भीमराव आम्बेडकर की 135 वीं जयंती के अवसर पर IQAC, SC/ST Cell एवं रिसर्च कमिटी के तत्वाधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ० भीमराव आम्बेडकर के सामाजिक न्याय शिक्षा एवं संवैधानिक मूल्यों पर विचार दिये गये। मुख्य अतिथि श्री रविन्द्र कुमार दिवाकर (ए.डी.एम. पटना) एवं विशिष्ट अतिथि प्रो० डॉ० नागेन्द्र मिश्रा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या ने किया। अध्यक्षीय उद्धबोधन में प्राचार्या ने कहा कि डॉ० भीमराव अम्बेडकर का जीवन संघर्ष, शिक्षा और सफलता का प्रेरणास्त्रोत है तथा छात्राओं को उनके आदर्शो को अपनाकर समाज में साकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर मेधावी छात्राओं को सम्मानित भी किया गया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो० अंजू जैन के द्वारा किया गया।

स्लम एरिया के बच्चों के बीच पाठ्य सामाग्री वितरण

दिनांक 15.04.2026 को महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा भारत रत्न डॉ० भीमराव आम्बेडकर जयंती के अवसर पर स्लम एरिया बेगमपुर में जरूरतमंद बच्चों के बीच कॉपी, पेन, पेंसिल, रबर, एवं चॉकलेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व NSS समन्वयक डॉ० प्रीति कुमारी ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम ने NSS स्वंयसेवकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्राचार्या ने बताया कि डॉ० भीमराव आम्बेडकर का जीवन शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय का प्रतीक है। उनके आदर्शो से प्रेरणा लेकर समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गो की सहायता करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वयंसेवकों जूली, नीलकमल, भूमि, श्रेया, रिया, सोनी, मोनिका तथा डॉ० अमोल कुमार का महत्वपूर्ण योगदान है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर संगोष्ठी

दिनांक 16.04.2026 को महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम विषय पर विशेष जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम ने की। प्राचार्या ने संबोधन में कहा कि नारी साक्षात लक्ष्मी, सरस्वती, दुर्गा और काली का रूप है। महिलाएँ हर परिस्थिति में स्वंय को साबित करने में सक्षम है तथा यह अधिनियम महिलाओं को और अधिक सशक्ति बनाएगा। छात्राओं को राजनीति में महिलाओं के 33% आरक्षण एवं उसके महत्व की जानकारी दी। इस अवसर पर छात्राओं ने पोस्टर प्रेजेंटेशन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० अरीबा जलाल एवं श्री विपिन कुमार के द्वारा किया गया। इस अवसर पर समस्त शिक्षकगण उपस्थित थे।

नारी शक्ति का विकसित भारत रन–फन कार्यक्रम

दिनांक 17.04.2026 पटना के मरीन ड्राइव में आयोजित भारत सरकार का कार्यक्रम नारी शक्ति का विकसित भारत रन–फन में आर.पी.एम. महाविद्यालय की NSS इकाई ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० प्रीति कुमारी एवं डॉ० अमोल कुमार के नेतृत्व में छात्राओं ने महिला सषक्तिकरण का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विष्वविद्यालयों से 5000 से भी अधिक लोगो ने भाग लिया। प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम ने बताया कि महिलाओं को 33 प्रतिषत आरक्षण देना देश के लोकतंत्र का मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। साथ ही प्राचार्या ने बताया कि NSS को छात्राओं के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण मंच बताया। मैराथन में भाग लेने वाली छात्राओं को प्रशस्ति प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं के बीच विशेष उत्साह देखा गया।

तम्बाकू मुक्त वातावरण जागरूकता अभियान

दिनांक 24.04.2026 को महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा तम्बाकू मुक्त परिसर एवं वातावरण शुद्ध बनाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने कॉलेज से मंगल तालाब तक जागरूकता रैली निकालकर तम्बाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जनसामान्य को जागरूक किया। रैली निकालने के पहले स्वयंसेवकों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने तम्बाकू का सेवन न करने तथा दूसरे को भी सेवन न करने की शपथ ली। पोस्टर प्रस्तुति के माध्यम से छात्राओं ने तम्बाकू के घातक परिणामों को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम ने हरी झंडी दिखाकर किया। उन्होने स्वास्थ्य जीवन के लिए तम्बाकू से दूर रहने का संदेश देते हुए एन.एस.एस. इकाई के प्रयासो की सराहना की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों का योगदान रहा।

वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन योजना का आगाज

दिनांक 29.04.2026 को महाविद्यालय में भारत सरकार की वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ONOS) योजना का शुभारंभ किया गया है। इस योजना से छात्राओं एवं शिक्षकों को अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका और जर्नलों तक सहज एवं निःशुल्क पहुँच उपलब्ध होगी, जिससे शोध एवं अध्ययन की गुणवता में वृद्धि होगी। इस अवसर पर प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम ने कहा कि यह योजना उच्च शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ONOS लागू होने से कॉलेज में हर्ष एवं उत्साह का महौल है।

मिशन "SAFAR" के अन्तर्गत सड़क सुरक्षा सह अस्पताल पूर्व चिकित्सा प्रशिक्षण

दिनांक 06.05.2026 की महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना NSS एवं रेड क्रॉस सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में सेफ एक्शन और फार्स्ट एवं एक्सीडेंट रिस्पॉन्स "SAFAR" अभियान के तहत सड़क सुरक्षा एवं प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सफर टीम ने छात्राओं को सड़क दुर्घटना के समय गोल्डेन ऑवर की महत्ता तथा प्राथमिक उपचार की बुनियादी जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम ने की। उन्होने कहा कि प्राथमिक चिकित्सा का ज्ञान प्रत्येक छात्रा के लिए आवश्यक है जिससे वे आपात स्थिति में फर्स्ट रेस्पान्डर की भूमिका निभा सके। कार्यक्रम संचालन डॉ० वीणा कुमारी तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ० प्रीति कुमारी के द्वारा किया गया।

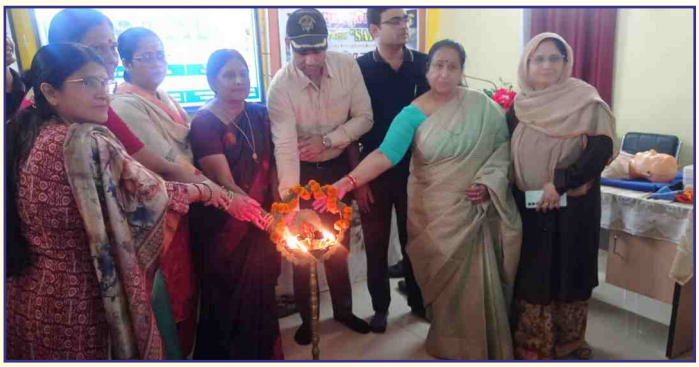

प्रेस–वार्ता का आयोजन

दिनांक 08.05.2026 को महाविद्यालय में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों एवं भविष्य की योजनाओं पर चर्चा हुई। महाविद्यालय में वर्तमान में BBA, BCA, B.LIS, M.Lis सहित कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित है तथा भविष्य में MBA, B.Sc IT, Geography, Commerce, Biotechnology एवं Music जैसे नए पाठ्यक्रम आरंभ करने की योजना है। प्रेस वार्ता में स्थान की कमी एवं अतिरिक्त भवन की आवश्यकता को प्रमुखता में रखा गया तथा सिटी स्कूल की भूमि उपलब्ध कराने हेतु प्रशासन एवं समाज से सहयोग की अपील की गई। साथ ही समाजशास्त्र, हिन्दी, बॉटनी, फिजिक्स, राजनीतिकषास्त्र विज्ञान एवं जूलॉजी विषयों में शिक्षकों की कमी पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में विभिन्न मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो (डॉ०) पूनम के द्वारा की गयी है और संचालन मीडिया प्रभारी प्रो० (डॉ०) अंजू जैन एवं डॉ. प्रतिष्ठा गुप्ता के द्वारा किया गया।

ई–वेस्ट प्रबंधन हेतु MEW से एम.ओ.यू. (MOU)

दिनांक 09.05.2026 को महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए MEW कंसल्टेंट्स के साथ ई–वेस्ट प्रबंधन हेतु समझौता ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर किया। जिसके तहत कॉलेज परिसर में उत्पन्न ई–कचरे का वैज्ञानिक एवं सुरक्षित निस्तारण किया जाएगा। इस अवसर पर कॉलेज द्वारा लगभग 97 किलोग्राम ई–वेस्ट जिसमें पुराने लैपटॉप, प्रिंटर, की–बोर्ड, माउस, एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण शामिल थे, MEW कंसल्टेंट्स को सौंपा गया। प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम ने कहा कि ई–वेस्ट प्रबंधन आज की आवश्यकता है और यह पहल छात्रों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाएगी।

महाविद्यालय में वालेंटियरशिप उन्मुखीकरण कार्यक्रम

दिनांक 01.06.2026 को महाविद्यालय में चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं के लिए वालेंटियरशिप उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन प्रेम यूथ फांउडेशन के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय एवं फांउडेशन के बीच समझौता ज्ञापन MOU पर भी हस्ताक्षर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम ने की। प्राचार्या ने बताया कि नई शिक्षा नीति 2020 के अतंर्गत वालेंटियरशिप छात्रों के व्यक्तित्व विकास एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को मजबूत बनाती है। फाउंडेषन के संस्थापक श्री प्रेम कुमार एवं कार्यक्रम अधिकारी श्री प्रतीक कुमार वर्मा ने छात्राओं को सामाजिक सेवा एवं नेतृत्व के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० वीणा कुमारी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

विश्वपर्यावरण दिवस पर महाविद्यालय में मानव श्रृंखला का निर्माण

दिनांक 05.06.2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई NSS द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं जन–जागरूकता अभियान के तहत मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छ पर्यावरण, वृक्षारोपण तथा प्लास्टिक मुक्त जीवन शैली अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम ने की। प्राचार्या ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का विषय नही, बल्कि हमारी जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। उन्होने छात्राओं से प्रकृति के संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आवाहान किया। कार्यक्रम का संचालन एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ० प्रीति कुमारी ने किया। डॉ० प्रीति ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में पर्यावरणीय जागरूकता एवं सामाजिक उत्तदायित्व की भावना विकसित करना है। कार्यक्रम में शिक्षकगण, शिक्षकेत्तर कर्मी एवं बड़ी संख्या में छात्राओं नें उत्साहपूर्वक भाग लिया।

महाविद्यालय में योग दिवस के पूर्व संध्या पर विविध कार्यक्रम आयोजित

दिनांक 20.06.2026 को आर.पी.एम. कॉलेज पटना सिटी में अतंर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या प्रो० (डॉ०) पूनम ने की। प्राचार्या ने अपने संबोधन में योग को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए छात्राओं को योगाभ्यास अपनाने का आवाहान किया। इस अवसर पर योग के महत्व पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया। एन.एस.एस स्वयंसेवकों, एन.सी.सी. कैड़ेटस एवं छात्राओं नें सामूहिक, योगाभ्यास, प्राणायाम एवं ध्यान किया। कार्यक्रम का संचालन एन.एस.एस. पदाधिकारी डॉ० प्रीति कुमारी तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ० पूनम कुमारी ने किया। इस अवसर पर शिक्षकगण, शिक्षकेत्तर कर्मी एवं बड़ी संख्या में छात्रायें उपस्थित रही।

छात्राओं की कलम से..

The Impact of Social Media on Mental Health"

In the modern era, social media has become a core part of daily life for the younger generation. Platforms like Instagram, TikTok and X (Twitter) have changed how we communicate and consume information.

While these tools offer connectivity, they also bring significant challenges to mental well-being.

The Challenges

i) **Unrealistic Standards:** Social media is often a "highlight reel" of people's lives. Constant exposure to filtered photos and curated lifestyles leads to social comparison. Young people often feel their lives are inadequate, which can damage their self-esteem.

ii) **The FOMO Phenomenon:** The "Fear of Missing Out" (FOMO) creates a constant need to stay connected. Seeing peers attend events or buy new things can trigger feelings of anxiety and loneliness in those who feel left out.

3) **Cyberbullying:** The anonymity of the internet often leads to online harassment or "trolling". Cyberbullying can have devastating effects, leading to severe depression and social withdrawal.

4) **Sleep and Concentration:** The addictive nature of scrolling often leads to "revenge bedtime procrastination." Lack of sleep and a short attention span are common issues among heavy social media users.

The Brighter Side

However, social media is not entirely negative. It provides a voice to the marginalized, offers a platform for creativity, and helps young people find supportive communities. For many, it is a tool for learning and global awareness.

Conclusion

Social media is a powerful tool that can either empower or harm. To protect their mental health, the younger generation needs to practice digital detoxing and focus on real-world connections. Balance is the key to ensuring that technology serves us, rather than controls us.

- Anubha Ray, B.Sc.-Zoology

The Silent Threat: Cyberbullying in the Digital World

In today's hyper-connected world, the internet has become an indispensable part of our daily lives. From education and entertainment to communication and social interaction, digital platforms shape how we think, learn and connect.

However, alongside these benefits, a darker reality has emerged—**cyberbullying**, a growing social issue that demands urgent attention.

Cyberbullying creates a constant sense of fear and insecurity. Girls often hesitate to express themselves freely due to the risk of being judged or targeted online. This not only affects their academic performance but also limits their participation in social and extracurricular activities. In extreme cases, it can lead to anxiety, depression and social withdrawal.

Addressing this issue requires awareness and collective responsibility. Schools and colleges must promote digital ethics and provide a safe platform for students to report such incidents. Parents and teachers should encourage open communication and support girls in dealing with online challenges.

Everyone must understand the power of words and actions online. Respect, empathy, and kindness should guide our behaviour. Creating a safe digital space is essential so that every girl can learn, grow and express herself without fear.

"The keyboard may be silent, but the echoes of cyberbullying last a lifetime."

Name: Kriti Kumari**, Course:** B.Sc. Zoology (MJC) **Roll No.:** 04

The Journey Within

The morning sun begins to rise,
Painting hope across the skies.
Every dream that lives inside
Finds its strength with every stride.
The road is never smooth or straight,
It tests our courage, faith, and fate.
Yet every fall can help us grow,
More than we may ever know.
The stars don't shine because they fight,
They simply glow throughout the night.
So never fear the darkest hour,
It often hides your greatest power.
Kindness blooms like flowers in spring,
A gentle word can change everything.
A caring heart, a helping hand,
Can build a brighter, stronger land.
Don't compare your path with others,
Every soul discovers wonders.
Move ahead with patient grace,
Life is never meant to race.
Believe in all that you can be,
Unlock your heart and set it free.
For every challenge that you face
Will someday lead to a better place.
So walk with hope, stand tall, stay true,
The world has dreams that need you too.
Write your story, bold and bright,
And fill each day with love and light.

Kajal Kumari
B.A. - English

"The Pandemic of Domestic Violence Amidst Rising Inequality"

Domestic violence has emerged as a "shadow pandemic", using socio-economic inequality in India and across the globe. It violates **Fundamental Rights**, especially **Article 14 (Right to Equality)** and **Article 21 (Right to Life and Personal Liberty).**

"Is there any way to stop Domestic Violence or not?"

Rising inequality intensifies vulnerability, while weak social safeguards, financial stress, power imbalance and dependency, confinement and isolation, and livelihood crises turn domestic violence into a silent pandemic.

"Bridging socio-economic disparities is key to preventing violence within the domestic space."

Françoise Vergès' feminist theory of violence (2020) analyzes femicide and domestic abuse not merely as individual actions, but as structural elements connected to capitalism and colonialism.

To fight domestic violence, promote the economic development of women to reduce dependency, expand shelter homes and support services. The Government has taken action on domestic violence by introducing the **Protection of Women from Domestic Violence Act, 2005**, and the **Legal Services Authorities Act, 1987**.

Violence amid rising inequality reflects a governance deficit, requiring stronger laws and promoting equality.

"Ending the violence requires both equality outside and safety inside the home!!!"

- Kirty Sinha , B.Sc.-Zoology

खबरों में कॉलेज

आरपीएम कॉलेज में नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर कार्यशाला का आयोजन

दस्तक प्रभात प्रतिनिधि

पटना सिटी।विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर रामेश्वर दास पन्नालाल महिला महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (ठरर) एवं हेल्थ सेंटर के सौजन्य से नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्दअठ को-ऑर्डिनेटर प्रो० (डॉ०) रजिया नसीन के द्वारा किया गया। प्रो० रजिया नसीन ने छात्राओं को संबोधित कर बताया कि छात्राओं को संतुलित आहार एवं पर्याप्त नींद लेना चाहिए। कार्यक्रम में चिकित्सकों द्वारा छात्राओं को नियमित चेकअप, संतुलित आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की जानकारी दी। सामान्य जाँच परीक्षण रक्तचाप, रक्त शर्करा परीक्षण, ऑक्सीजन लेवल, ई० सी० जी०, बी० एम० आई० इत्यादि की जाँच की गई एवं व्यक्तिगत चिकित्सा परामर्श सहित सेवा प्रदान की गई। विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026 का विषय "स्वास्थ्य के लिए एकजुट विज्ञान के साथ खड़े रहें" ये थीम हमें संदेश देती है कि हम सभी स्वस्थ जीवन शैली अपनाएं और नियमित स्वास्थ्य जाँच करवाएं। कार्यक्रम का संचालन ठरर कार्यक्रम अधिकारी डॉ० प्रीति कुमारी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण, शिक्षकेतर कर्मी तथा छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिये। इस नि:शुल्क कार्यशाला में लगभग सौ छात्राओं ने नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच परीक्षण करवाई।

एनआईआरएफ रैंकिंग प्रक्रिया में आरपीएम कॉलेज को मान्यता

पटना सिटी/संवाददाता। आरपीएम कॉलेज ने एन आईआरएफ रैंकिंग प्रक्रिया में शामिल होकर नई उड़ान भरी है। साथ ही एआईसीटीई से बीबीए व बीसीए के लिए भी सत्र 2026-27 के लिए एप्रूवल मिला है। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की इस प्रतिष्ठित अंगीभूत इकाई ने पहली बार राष्ट्रीय स्तर की एनआईआरएफ प्रक्रिया में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। क्षेत्र के गौरव को बढ़ाया है। शैक्षणिक गुणवत्ता की ओर कदम शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित एनआईआरएफ रैंकिंग किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए गुणवत्ता का सबसे बड़ा पैमाना माना जाता है। कॉलेज द्वारा इस रैंकिंग फ्रेमवर्क में डेटा जमा करना दर्शाता है कि कॉलेज अपनी प्रतिष्ठा को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। कॉलेज प्रशासन के अनुसार, रैंकिंग के लिए संस्थान ने पांच मुख्य मापदंडों पर अपना विवरण साझा किया। इसमें शिक्षण और संसाधन : संकाय सदस्यों की योग्यता और छात्र-शिक्षक अनुपात। अनुसंधान और व्यावसायिक अभ्यास : शिक्षकों द्वारा किए गए शोध और प्रकाशित पत्र। स्नातक परिणाम : छात्राओं का परीक्षा परिणाम और रोजगार की स्थिति। आउटरीच और समावेशिता : छात्राओं की विविधता और सामाजिक पहुंच।धारणा : शिक्षा जगत में कॉलेज की साख। प्राचार्य प्रोडॉ पूनम ने कहा कि हमारा उद्देश्य छात्राओं को आधुनिक और उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करना है। नैक जैसी प्रक्रियाओं से जुड़ने का मुख्य लक्ष्य कॉलेज की बुनियादी संरचना में सुधार लाना और छात्राओं के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करना है। यह जानकारी मीडिया प्रभारी प्रोडॉ अंजू जैन ने दी।

संतुलित आहार व स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर बल

चौकशिकारपुर स्थित रामेश्वर दास पन्नालाल महिला महाविद्यालय में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना व हेल्थ सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में समन्वयक प्रो. डा. रजिया नसरीन व डा. प्रीति कुमारी की देखरेख में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया। चिकित्सकों ने छात्राओं को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने, संतुलित आहार लेने और फास्ट फूड से दूरी बनाने के परामर्श दिए।

छात्राओं को सड़क सुरक्षा व प्राथमिक चिकित्सा का ट्रेनिंग दिया

पटना सिटी/संवाददाता। सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते मामले को देखते हुए छात्राओं को जीवन रक्षक कौशल सिखाने के उद्देश्य से आरपीएम कॉलेज में सेफ एक्शन फॉर फर्स्ट एड एंड एक्सीडेंट रिस्पॉन्स अभियान के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन रेडक्रॉस सोसाइटी और एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। अध्यक्षता प्राचार्या प्रोडॉ पूनम ने तथा संचालन रेडक्रॉस सोसाइटी की समन्वयक डॉ वीणा कुमारी द्वारा किया गया।कार्यक्रम का मुख्य विषय सड़क सुरक्षा जागरुकता सह अस्पताल पूर्व प्राथमिक चिकित्सा था। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को बताया गया कि सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं के बाद गोल्डन ऑवर में सही प्राथमिक उपचार मिलने से किसी व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। विशेषज्ञों ने छात्राओं को अस्पताल पहुंचने से पहले दी जाने वाली आपातकालीन चिकित्सा और फर्स्ट रिस्पॉन्डर' की भूमिका के बारे में जानकारी दी। संयोजक धीरज ने बताया कि भारत में हर वर्ष लगभग डेढ़ लाख लोग सड़क दुर्घटना में अपनी जान गंवा देते हैं। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क हादसों से बचाव और लोगों के बीच सुरक्षा को लेकर व्यापक जागरुकता फैलाना है, ताकि इसमें कमी लाई जा सके। प्राचार्या पूनम ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि वे प्राथमिक चिकित्सा का सही ज्ञान रखती हैं, तो वे एक फर्स्ट रिस्पॉन्डर के रूप में किसी की जान बचा सकती हैं। अंत में डॉ प्रीति कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी प्रोडॉ अंजू जैन ने दी।

आरपीएम कॉलेज में हुआ संगोष्ठी

पटना सिटी/संवाददाता। बाबा साहिब डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती पर चौकशिकारपुर स्थित आरपीएम कॉलेज में एससी/एसटी सेल व अनुसंधान कमेटी की ओर से संगोष्ठी किया गया। इसका उद्घाटन एडीएम रविंद्र कुमार दिवाकर ने करते हुए बाबा साहिब के सामाजिक न्याय, संवैधानिक मूल्यों एवं मानवाधिकारों के योगदान को रखा। विशिष्ट अतिथि दर्शनशास्त्र के प्रोडॉ नागेंद्र मिश्र ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या प्रोडॉ पूनम ने करते हुए शिक्षा सशक्तिकरण को रखा। आयोजन मेंनैतिक एवं संवैधानिकन्याय की पृष्ठभूमि में डॉ बीआर अआंबेडकर की प्रासंगिकता व भारतीय दर्शन में जुड़े पुस्तक पर भी चर्चा की गई।

आरपीएम कॉलेज एनआईआरएफ रैंकिंग में हुआ शामिल

दस्तक प्रभात प्रतिनिधि

पटना सिटी। शिक्षा मंत्रलय भारत सरकार की एनआईआरएफ रैंकिंग मे चौकशिकारपुर स्थित आरपीएम कॉलेज ने उपस्थिति दर्ज करायी है. कॉलेज प्राचार्या प्रो डॉ पूनम ने बताया कि नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क प्रोसेस में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई में कॉलेज अपनी प्रतिष्ठा को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढाने को प्रतिबद्ध है. इसी का परिणाम है कि रैंकिंग के लिए संस्थान को शामिल किया गया है. साथ ही कॉलेज में बीबीए व बीसीए सत्र 2026- 27 के लिए अनुमोदन भी एआईसीटीई मिला है. प्राचार्या ने कहा कि एनआईआरएफ और नैक जैसी प्रक्रि याओं से जुड़ने का मुख्य लक्ष्य बुनियादी संरचना में सुधार लाना और विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य सुनिश्चित करना है. कॉलेज को मिली उपलब्धि पर हर्ष है.

ों ने जलभरावन किया। ा के मंदिर आने ारी कपिलदेव पूजा अर्चना बने बीके यादव ा से कराया. अध्यक्ष ने बताया की मंगलवार को मां दुर्गा की प्रतिमा,राधा कृष्ण,राम दरबार ती की प्रतिमाओं का नगर भ्रमण व 15 अप्रैल को प्रतिमाओ की प्राण प्रतिष्ठा, भंडारा व जागरण होगा.गौरीशंकर कॉलोनी गायघाट में माता मईया मंदिर में लक्ष्मी नारायण की ंकोत्सव पर कलश प्रतिमा नगर भ्रमण शोभायात्रा निकाली गयी।जो भद्र घाट तक गया,वहां रावन के बाद त्रिपोलिया के रास्ते वापस मंदिर लौटा,जहां पर धार्मिक अनुष्ठान हुए. आयोजन लाल, टिंकू कुमार, दीपक कुमार, मुकेश कुमार मन्टू, महादेव गुप्ता, राजेश पांडे, कैलाश ांकर चौधरी, मनोज शर्मा, विजय साव, चुन्नू चन्द्रवंशी, नीतीश कुमार, गुलशन कुमार, मार, पुरषोत्तम कुमार, महेश प्रसाद, सीतारामक महतो, धनराज कुमार, मिनी कुमार, अंजित ाल कुमार, अमन कुमार, विकास यादव, नवीन दास समेत अन्य शामिल थे।

आरपीएम कॉलेज में संगोष्ठी

पटना सिटी।(आससे)।चौकशिकारपुर स्थित आरपीएम कॉलेज में बाबा साहिब डॉ भीम राव आंबेडकर की जयंती के पूर्व एससी एसटी सेल व अनुसंधान कमेटी की ओर से संगोष्ठी हुई.संगोष्ठी का उद्घाटन एडीएम रविंद्र कुमार दिवाकर ने करते हुए बाबा साहिब के सामाजिक न्याय, संवैधानिक मूल्यों एवं मानवाधिकारो के योगदान को रखा. विशिष्ट अतिथि दर्शनशास्त्र के प्रो डॉ नागेंद्र मिश्र ने भी अपने विचार रखे. । कार्यक्रम की अध्यक्षतो प्राचार्या प्रो डॉ पूनम ने करते हुए शिक्षा सशक्तिकरण को रखा.आयोजन में नैतिक एवं संवैधानिक न्याय की पृष्ठभूमि में डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रासंगिकता व भारतीय दर्शन में जुड़े पुस्तक पर भी चर्चा की गयी।

आज अंबेडकर जयंती पूर्व संध्या पर अधिवक्ता संघ में अनावरण व परिचर्चा

फुलवारीशरीफ। पटना सिविल कोर्ट स्थित पटना जिला अधिवक्ता संघ द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती की पूर्व संध्या पर अनावरण सह परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत महासचिव अरविंद कुमार मौआर द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर की गई.कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिवक्ता महेश रजक ने की. इस दौरान उपस्थित अधिवक्ताओं ने बाबा साहेब के योगदान को याद करते हुए उनके विचारों पर चलने का संकल्प लिया. वक्ताओं ने संविधान निर्माण में उनके योगदान को ऐतिहासिक बताया।

गरीब बच्चों के बीच शैक्षणिक सामग्री का वितरण

पटना सिटी/संवाददाता। आरपीएम कॉलेज के द्वारा आंबेडकर जयंती पर सामाजिक पहल की गई। कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा बेगमपुर के स्लम एरिया के एक विद्यालय में जाकर गरीब एवं जरूरतमंद छात्रों के बीच कॉपी, पेन, पेंसिल, रबर, कटर एवं चॉकलेट का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व एनएसएस की समन्वयक डॉ प्रीति कुमारी ने किया। उन्होंने बच्चों के बीच जाकर न केवल शैक्षणिक सामग्री वितरित की, बल्कि उन्हें शिक्षा के महत्व के बारे में भी प्रेरित किया। छात्रों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी और उन्होंने इस पहल के लिए कॉलेज परिवार का आभार जताया। प्राचार्या प्रोडॉ पूनम ने स्वयंसेवकों को इस समाजिक कार्य करने को हरी झंडी दिखाकर विदा किया। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन को आवश्यक आर्थिक सहायता भी प्रदान की और इस तरह के सामाजिक कार्यों को आगे भी जारी रखने पर बल दिया। कार्यक्रम में डॉ अमोल कुमार एवं स्वयसेवकों में जूली कुमारी, नील कमल, भूमि कुमारी, रिया कुमारी, शनाया कुमारी, सोनी कुमारी, आरती कुमारी, सिफा परवीन, खुशबू कुमारी आदि ने योगदान दिया।

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर विशेष संगोष्ठी का आयोजन

दस्तक प्रभात प्रतिनिधि

पटना सिटी। महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माने जाने वाले 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' की गूंज अब शैक्षणिक संस्थानों में भी सुनाई दे रही है। इस कड़ी में, आर.पी.एम. कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम और संगोष्ठी का आयोजन किया गया इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य

छात्राओं को भारतीय राजनीति में महिलाओं के लिए आरक्षित होने वाली 33% सीटों और इस नए कानून के दूरगामी प्रभावों के बारे में शिक्षित करना था। विभाग के शिक्षकों ने विस्तार से बताया कि कैसे यह अधिनियम विधायी निकायों में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित कर देश की लोकतांत्रिक नींव को और मजबूत करेगा इस संगोष्ठी का आयोजन कॉलेज की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) पूनम की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। अपने संबोधन में उन्होंने नारी शक्ति की महिमा का वर्णन किया संगोष्ठी के दौरान छात्राओं द्वारा एक पोस्टर प्रेजेंटेशन का भी आयोजन किया गया, जिसमें कला के माध्यम से महिला सशक्तिकरण और राजनीतिक भागीदारी के विभिन्न आयामों को प्रदर्शित किया गया। पोस्टर प्रेजेंटेशन में कॉलेज की छात्राएं गुरिया कुमारी, सुधा कुमारी और चंचल कुमारी ने भाग लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन राजनीति विज्ञान विभाग की अध्यक्षा डॉ. अरीबा जलाल एवं मिस्टर विपिन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया. इस अवसर पर कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.अंजू, डॉ.रजिया, डॉ. सुषमा एवं डॉ.पवन भी उपस्थित रहे और अपने विचारों से छात्राओं का मार्गदर्शन किया।

एन एस एस द्वारा डॉ.अंबेडकर जयंती पर छात्र छात्राओं के बीच शिक्षा सामग्रियां की गई वितरित

दस्तक प्रभात प्रतिनिधि

पटना सिटी।चौकशिकारपुर स्थित आर० पी० एम० कॉलेज में महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा बेगमपुर सलाम इलाका में डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में शैक्षणिक प्रोत्साहन हेतु छात्र-छात्राओं को कॉपी, पेन, पेंसिल, चॉकलेट वितरित किया गया। स्थानीय लोगों में भी शिक्षा के महत्व एवं डॉ भीमराव अंबेडकर जी के योगदानों के बारे में बताया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो (डॉ) पुन्नम ने एन एस एस के स्वयंसेवकों को समाज सेवा कार्य करने हेतु उत्साहवर्धन किया तथा सभी स्वयंसेवकों को अंबेडकर जी के योगदानों के बारे में विस्तार से बताया। बेगमपुर इलाका में शैक्षणिक प्रोत्साहन कार्य करने हेतु स्वयंसेवकों ने काफी उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरा कार्यक्रम एन एस एस अधिकारी डॉ प्रीति कुमारी एवं समस्त शिक्षकों के दिशा निर्देशन में किया गया।

तंबाकू मुक्त परिसर और समुदाय पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

दस्तक प्रभात प्रतिनिधि

पटना सिटी। युवाओं को नशे की गंभीर समस्याओं से अवगत कराने और समाज को स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से, आरपीएम (त्वद) कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (तै) इकाई द्वारा आज तंबाकू मुक्त परिसर एवं आसपास का समुदाय विषय पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छात्राओं द्वारा निकाली गई एक विशाल जन-जागरूकता रैली रही। एनएसएस स्वयंसेवकों ने आरपीएम कॉलेज से मंगल तालाब तक मार्च किया। छात्राओं ने हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां ली थी, जिन पर 'नशा छोड़ो, खुशियां जोड़ो' और 'तंबाकू की लत, मौत को दावत' जैसे प्रभावशाली संदेश लिखे थे। कॉलेज परिसर वापस लौटने के बाद, सभी स्वयंसेवकों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से शपथ (प्लेज) ली। सभी ने संकल्प लिया कि वे न तो स्वयं तंबाकू का सेवन करेंगे और न ही अपने आसपास किसी को करने देंगे। इसके उपरांत एक पोस्टर प्रेजेंटेशन का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने अपनी कला के जरिए तंबाकू के घातक परिणामों को प्रदर्शित किया। यह पूरा कार्यक्रम एनएसएस समन्वयक डॉ. प्रीति कुमारी और डॉ. अमोल कुमार के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्राचार्या प्रो. डॉ. पूनम ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि, 'एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। तंबाकू जैसी बुराई हमारी युवा पीढ़ी को खोखला कर रही है। आरपीएम कॉलेज न केवल शिक्षा बल्कि छात्राओं के चारित्रिक और शारीरिक विकास के लिए भी प्रतिबद्ध है।' उन्होंने एनएसएस टीम के इस प्रयास की सराहना करते हुए पूरे परिसर को आधिकारिक रूप से 'तंबाकू मुक्त क्षेत्र' घोषित करने की दिशा में कदम बढ़ाए। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों और कॉलेज स्टाफ ने तंबाकू मुक्त परिसर बनाने और दूसरों को भी प्रेरित करने की शपथ ली। इस आयोजन ने न केवल छात्राओं के आत्मविश्वास को बढ़ाया, बल्कि पटना सिटी के क्षेत्र में स्वास्थ्य के प्रति एक सकारात्मक चेतना भी जागृत की।

मानव श्रृंखला के माध्यम से गूंजा पर्यावरण संरक्षण का संदेश

दस्तक प्रभात प्रतिनिधि

पटना सिटी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रामेश्वरदास पन्नालाल महिला कॉलेज, पटना सिटी की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा 5 जून 2026 को महाविद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं एवं स्वयंसेवको द्वारा मानव श्रृंखला का निर्माण कर पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और हरित जीवनशैली का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में पर्यावरणीय चेतना का विकास करना तथा समाज को जल, वायु, भूमि और जैव विविधता के संरक्षण के प्रति जागरूक बनाना है। इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवको ने आसपास के लोगों को स्वच्छ पर्यावरण बनाए रखने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर प्राचार्या प्रो.(डॉ.) पूनम ने कहा कि "विश्व पर्यावरण दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों को समझने और निभाने का संकल्प लेने का अवसर है। पर्यावरण संरक्षण आज वैश्विक आवश्यकता बन चुका है। यदि हम स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य चाहते हैं, तो हमें अभी से पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना होगा। मुझे विश्वास है कि हमारी छात्राएँ समाज में पर्यावरण जागरूकता की प्रभावी वाहक बनेंगी और हरित एवं स्वच्छ भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।" एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. प्रीति कुमारी ने बताया कि मानव श्रृंखला के माध्यम से छात्राएँ पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रसारित करेंगी तथा लोगों को प्रकृति के संरक्षण के लिए प्रेरित करेंगी। उन्होंने कहा कि युवाओं की सहभागिता से ही पर्यावरणीय चुनौतियों का प्रभावी समाधान संभव है।यह कार्यक्रम छात्राओं में सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरणीय जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। इस अवसर पर डॉ.प्रकाश दास, डॉ.मिराज, डॉ. नुजहत, डॉ.अमोल, डॉ.वीना कुमारी तथा शिक्षकेतर कर्मी उपस्थित रहे।

समाचार सार

जागरूकता रैली निकाल नशा छोड़ने की अपील

जागरूकता रैली में शामिल शिक्षक व छात्राएं। सौ. कालेज

जागरण संवाददाता, पटना सिटी : चौक शिकारपुर स्थित आरपीएम कालेज की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्रा सदस्यों ने शुक्रवार को जागरूकता रैली निकाल कर नशा छोड़ो और खुशियां जोड़ो के नारे लगाए। उन्होंने तंबाकू मुक्त समाज बनाने का आह्वान लोगों से किया। मंगल तालाब परिसर होते हुए रैली कालेज लौटी। प्राचार्य प्रो. डा. पूनम के नेतृत्व में निकली रैली में समन्वयक डा. प्रीति कुमारी, डा. अमोल कुमार ने तंबाकू को न कहने का संकल्प दिलाया। इस दौरान पोस्टर प्रदर्शनी लगा कर तंबाकू के घातक परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।

छात्राओं ने तंबाकू मुक्त को निकाली जागरुकता रैली

पटना सिटी/संवाददाता। राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े छात्राओं ने चौकशिकारपुर स्थित आरपीएम कॉलेज से जागरुकता रैली निकाली। इसमें तंबाकू मुक्त कॉलेज परिसर और समाज अभियान के तहत लोगों को जागरूक किया गया। रैली कॉलेज से निकल कर मंगल तालाब परिसर होते हुए वापस लौटी। प्राचार्या प्रोडॉ पूनम ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि तंबाकू समाज के युवा पीढ़ी को खोखला कर रही है। ऐसे आयोजन से इनमें जागृति आएगी। संचालन समन्वयक डॉ प्रीति कुमारी और डॉ अमोल कुमार ने की। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने शिक्षकों, कर्मियों

और छात्राओं को शपथ दिलाते हुए संकल्प दिलाया कि तबांकू मुक्त समाज के लिए कार्य किया जाए। इस दौरान पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें तंबाकू के घातक परिणामों को दशार्या गया था।

आरपीएम कॉलेज में आधुनिक परीक्षा कक्ष का उद्घाटन

पटना सिटी/संवाददाता। स्थानीय आरपीएम कॉलेज में शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में कॉलेज की प्राचार्या प्रोडॉ पूनम ने जीर्णोद्धार करके आधुनिक परीक्षा कक्ष का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कॉलेज के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण और कर्मचारी उपस्थित रहे। प्राचार्या डॉ पूनम ने कॉलेज के बुनियादी ढांचे के विकास

पर जोर देते हुए कहा कि छात्राओं को शांतिपूर्ण और आधुनिक परिवेश प्रदान करना कॉलेज प्रशासन की प्राथमिकता है। यह परीक्षा कक्ष हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है कि हम अपने छात्र-छात्राओं को श्रेष्ठ सुविधाएं उपलब्ध कराते रहेंगे। अंत में कॉलेज प्रशासन द्वारा इस परियोजना को समय पर पूरा करने वाले कर्मचारियों को धन्यवाद दिया गया। यह परीक्षा कक्ष आगामी सत्र की परीक्षाओं से उपयोग में लाया जाएगा। यह जानकारी मीडिया प्रभारी प्रोडॉ अंजू जैन ने दी।

आर.पी.एम.कॉलेज में 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन'योजना का आगाज

दस्तक प्रभात प्रतिनिधि

पटना सिटी। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शोध और शैक्षणिक संसाधनों को सुलभ बनाने की दिशा में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' की शुरूआत रमेशवरदास पन्नालाल महिला कॉलेज, पटना सिटी में आधिकारिक तौर पर कर दी गई है। कॉलेज प्रशासन ने इस महत्वपूर्ण योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए डॉ. प्रतिष्ठा गुप्ता को नोडल ऑफिसर नियुक्त किया है। 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' केंद्र सरकार की एक क्रांतिकारी पहल है, जिसका उद्देश्य देश के सभी सरकारी उच्च शिक्षण

संस्थानों को दुनिया के प्रतिष्ठित जर्नल्स और शोध पत्रों तक मुफ्त पहुंच प्रदान करना है। इस योजना के तहत विद्यार्थियों और शोधार्थियों को 13, 000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स का एक्सेस मिलेगा तथा इससे शोध की गुणवत्ता बढ़ेगी और ग्रामीण एवं छोटे शहरों के छात्रों को भी वैश्विक स्तर की पाठ्य सामग्री मिल सकेगी। इस अवसर पर आर.पी.एम. कॉलेज की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) पूनम ने प्रसन्नता व्यक्त की।

Printed by : Choudhary Offset Printers, Abulas Lane, Machuwa Toli, Patna - 4, Mob. : 9835253591